डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद

शपथ-पत्र

मैं **रेविता बलभीम कावळे** शपथपूर्वक निवेदन करती हूँ कि **''स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य में विकलांग चरित्र''** इस विषय पर प्रस्तुत किया गया यह शोध-प्रबंध मेरी अपनी कृति है ।

जहाँ तक मेरा अनुमान है कि इस विषय पर किसी विश्वविद्यालय में शोधकार्य नहीं हुआ है । इसका कोई अंश अन्य किसी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है, न ही इसका कोई अंश प्रकाशित किया गया है।

स्थान : औरंगाबाद

तिथि :

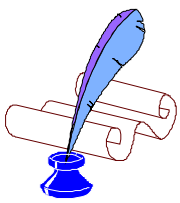

रेविता बलभीम कावळे

शोध-छात्रा